निम्न पत्रक बॉयो रे में उपलब्ध है:

1. बीजामृत (बीज उपचार)
2. सी. पी. पी. + गौमुत्र (बीज उपचार)
3. निम्बोली का अर्क
4. जि. ओ. सी.
5. टॉप टेन
6. नीम तेल और हिंग
7. गौमुत्र
8. छाछ
9. कपास की प्राथमिक अवस्था में रक्षा
10. जीवामृत
11. स्प्रे केसै करें

The leaflets are available in English and Hindi

उपरोक्त पत्रक हिन्दी और इंग्लिश मे उपलब्ध है।

इस पत्रक मे दि गई जानकारी बॉयो रे के अधिकारीयो के ज्ञान व बॉयो रे किसानों के अनुभव के आधार पर दि गई है। इसमें कुछ विधीयॉ जो दुसरे राज्यों के जैविक किसानों द्वारा अपनाई गई है उन्हे सम्मिलित किया है तथा कुछ विधीयों को पीटर प्राक्टर द्वारा प्रस्तावित बॉयोडायनामिक पद्वति से लिया गया है (जैसे सी.पी.पी.)।

bioRe® Research Station
5th km Milestone, Mandleshwar road
Kasrawad, Distr. Khargone
MP-451228 India
Tel.: +919926838549
Email: biore.lokendra@gmail.com

तारीख: फ़रवरी 2014

लेखक: लोकेन्द्र सिंह मण्डलोई
क्लाउडीया उट्स्
जुलियाना ज्वाईफैल्
राजीव वर्मा

सलाह पत्रक

जैविक कीट नियंत्रण के लिए स्वयं निर्मित दवाईयों को बनाना और उनका उपयोग करना।

निम्बोली का अर्क

उपयोग: यह सशी प्रकर के रस चुसने वाले किटों व पत्ती काटने वाले किटों को नियंत्रित करता है।

सामग्री

सुखी हुई नीम कि निम्बोली
7.5 किलो

30x

पानी
30 लिटर

साधन

* 2 छोटे ड्रम
* कपड़ा
* खलबत्ता या मिक्सर

असर प्रणाली

जब हानिकारक किट नीम दवाई को सुंघते है या खाते हैं तो उनकी ''हार्मोनल प्रकिया'' बिगड जाती हैं जिसके कारण वह खाना खाना या समागम करना भुल जाते हैं और अण्डों से बच्चे नहीं निकलपाते हैं।

मात्राः	नीम अर्क को 3 लिटर प्रति पम्प (15 लिटर पानी में) उपयोग करें।
रखने की अवधिः	इस अर्क को दो रोज के अन्दर उपयोग कर लें।
सीमाएः	अब कोई सिमाऐं नहीं।
सक्रिय तत्वः	अजादेरेक्टीन।

बनाने कि विधि

चरण 1: सुखी निम्बोली को पिसकर पाउडर बनावे।

चरण 2: ड्म के अन्दर पाउडर को पानी मे मिलायें।

चरण 4: मिश्रण को कपड़े कि सहायता से दुसरे ड्म में छान लें व अच्छी तरह से निचोड़ लें।

चरण 3: ड्म के मुॅह को कपड़े से बांध दें व रातश्र के लिऐ रख दें।